ASTRO ARPITA NATH

नवग्रह और नवरत्न का एक परिचय

Arpita Nath द्वारा · रत्न एवं रुद्राक्ष · 2026-07-27

क्या आपने कभी सोचा है कि प्राचीन भारतीय परंपराओं के अनुसार तारे और ग्रह हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करते हैं? या कुछ लोग नौ अलग-अलग रत्नों वाले सुंदर आभूषण क्यों पहनते हैं? आज, आइए वैदिक ज्योतिष की दो दिलचस्प अवधारणाओं को समझते हैं:

- **नवग्रह** (नौ ग्रह)
- **नवरत्न** (नौ रत्न)

मैं इसे बेहद सरल और समझने में आसान रखूँगा।

नवग्रह क्या हैं?

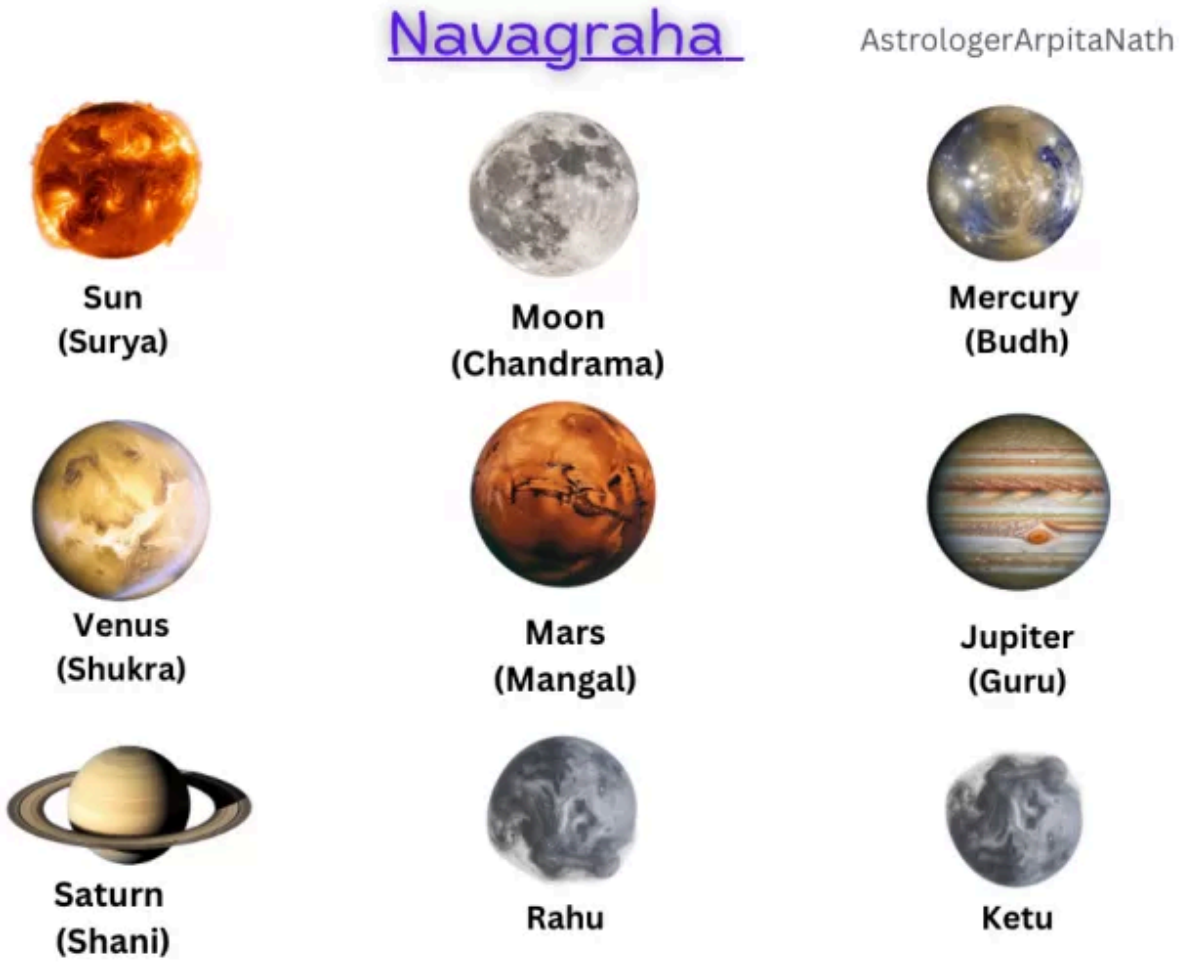

"**नवग्रह**" शब्द संस्कृत के "**नव**" (नौ) और "**ग्रह**" से मिलकर बना है। हिंदू ज्योतिष में, ये नौ आकाशीय पिंड माने जाते हैं जो हमारे जीवन, स्वास्थ्य, सुख और भाग्य को प्रभावित करते हैं।

नवग्रहों में शामिल हैं:

- **सूर्य** — ऊर्जा, नेतृत्व और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- **चंद्र** — भावनाओं, मन और अंतर्ज्ञान (सहज ज्ञान) को प्रभावित करते हैं।
- **मंगल** — साहस, शक्ति और कर्म के कारक हैं।
- **बुध** — बुद्धि, संवाद और हाजिरजवाबी के स्वामी हैं।

- **गुरु (बृहस्पति)** — ज्ञान, समृद्धि और विकास प्रदान करते हैं।
- **शुक्र** — प्रेम, सौंदर्य और विलासिता पर शासन करते हैं।
- **शनि** — अनुशासन, कठिन परिश्रम और कर्म का पाठ पढ़ाते हैं।
- **राहु (उत्तरी चंद्र नोड)** — तीव्र इच्छाओं और भ्रम से जुड़े हैं।
- **केतु (दक्षिणी चंद्र नोड)** — आध्यात्मिकता और वैराग्य से संबंधित हैं।

कई हिंदू मंदिरों में नवग्रह पूजा के लिए एक विशेष स्थान होता है। लोग नकारात्मक प्रभावों को कम करने और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए उनसे प्रार्थना करते हैं।

नवरत्न क्या हैं?

"**नवरत्न**" का अर्थ है "नौ रत्न।" ये नौ मूल्यवान या उपरत्न हैं, जिनमें से प्रत्येक किसी एक नवग्रह से जुड़ा हुआ है। इन्हें आभूषणों (जैसे अंगूठी, पेंडेंट या ब्रेसलेट) के रूप में पहनने से ग्रहों की ऊर्जा संतुलित होती है और सौभाग्य, सुरक्षा व सामंजस्य प्राप्त होता है।

पारंपरिक नवरत्न और उनका ग्रहों से संबंध

- **रूबी (माणिक्य)** — सूर्य के लिए (शक्ति और आत्मविश्वास)
- **पर्ल (मोती)** — चंद्रमा के लिए (शांति और भावनात्मक संतुलन)
- **रेड कोरल (मूंगा)** — मंगल के लिए (साहस और ऊर्जा)
- **एमराल्ड (पन्ना)** — बुध के लिए (बुद्धि और वाणी)
- **येलो सफायर (पुखराज)** — गुरु के लिए (ज्ञान और धन)

- **डायमंड (हीरा)** — शुक्र के लिए (प्रेम और विलासिता)
- **ब्लू सफायर (नीलम)** — शनि के लिए (अनुशासन और न्याय)
- **हेसोनाइट (गोमेद)** — राहु के लिए (स्पष्टता और नकारात्मकता से सुरक्षा)
- **कैट्स आई (लहसुनिया)** — केतु के लिए (आध्यात्मिकता और अंतर्ज्ञान)

यह सुंदर संबंध

असली चमत्कार तब होता है जब नवग्रह और नवरत्न एक साथ आते हैं। प्रत्येक रत्न अपने संबंधित ग्रह को बल प्रदान करता है या उसे शांत करता है। माना जाता है कि इन सभी नौ रत्नों को एक साथ धारण करने से आपकी कुंडली चाहे जैसी भी हो, संपूर्ण संतुलन बना रहता है। यह स्वास्थ्य, सफलता और शांति के लिए एक ब्रह्मांडीय सुरक्षा कवच की तरह है।

प्राचीन काल में राजा-महाराजा और रानियां शक्ति व सुरक्षा के लिए नवरत्न पहनते थे। आज भी बहुत से लोग इन्हीं कारणों से इन्हें पहनते हैं — साथ ही, यह दिखने में भी बेहद सुंदर लगते हैं।

यदि आप ज्योतिष में रुचि रखते हैं, तो कोई भी विशिष्ट रत्न पहनने से पहले किसी विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें, क्योंकि कुछ रत्न अत्यधिक प्रभावशाली हो सकते हैं।

इस संक्षिप्त मार्गदर्शिका में बस इतना ही। नवग्रह और नवरत्न दर्शाते हैं कि प्राचीन ज्ञान हमें ब्रह्मांड से कैसे जोड़ता है। आप क्या सोचते हैं — है न यह बेहद दिलचस्प?

---

https://astroarpitanath.com/hindi/gemstones/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।